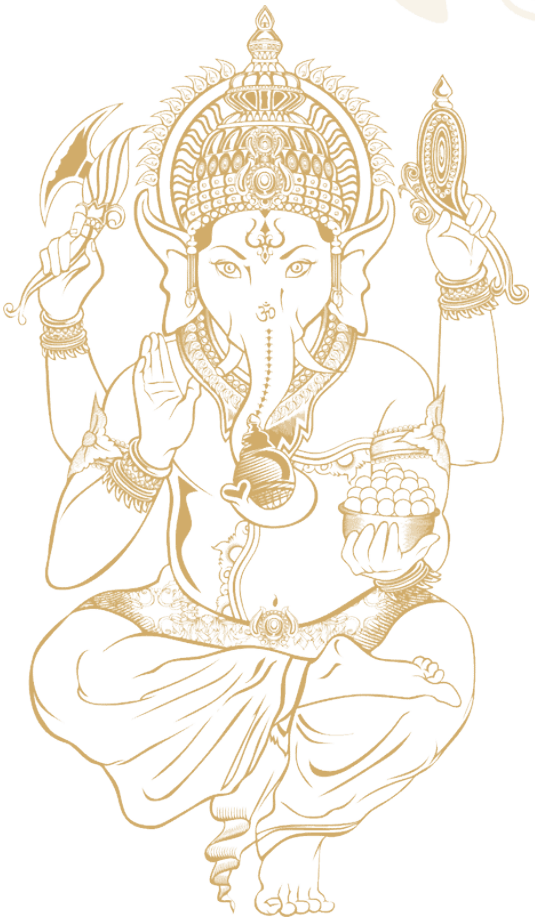

Gurpreet Kaur

26 Jun 1960

04:22 PM

Nabha

Model: web-freekundliweb

Order No: 121732305

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**26/06/1960**
दिन	रविवार
जन्म समय	**16:22:00 घंटे**
इष्ट	27:22:16 घटी
स्थान	**Nabha**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	30:22:00 उत्तर
रेखांश	76:12:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:25:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:56:48 घंटे
वेलान्तर	-00:02:41 घंटे
साम्पातिक काल	10:15:04 घंटे
सूर्योदय	05:25:05 घंटे
सूर्यास्त	19:30:50 घंटे
दिनमान	14:05:45 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	11:30:46 मिथुन
लग्न के अंश	01:14:41 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुष्य - 2**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	व्याघात
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	हे-हेमन्त
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	01:14:41	303:50:23	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	मंगल	---
सूर्य			मिथु	11:30:46	00:57:14	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	सम राशि
चंद्र			कर्क	06:42:03	11:53:20	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	बुध	स्वराशि
मंगल			मेष	11:06:44	00:43:24	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	मूलत्रिकोण
बुध			कर्क	05:01:03	00:31:49	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	शत्रु राशि
गुरु	व		धनु	04:37:16	00:07:35	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	मूलत्रिकोण
शुक्र		अ	मिथु	12:32:55	01:13:44	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	मित्र राशि
शनि	व		धनु	22:36:44	00:04:18	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	सम राशि
राहु	व		सिंह	24:54:17	00:08:58	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	24:54:17	00:08:58	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			कर्क	25:17:32	00:02:56	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	---
नेप	व		तुला	13:11:06	00:00:40	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	बुध	---
प्लूटो			सिंह	10:43:14	00:01:12	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	---
दशम भाव			सिंह	08:27:14	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:18:15

लग्न-चलित

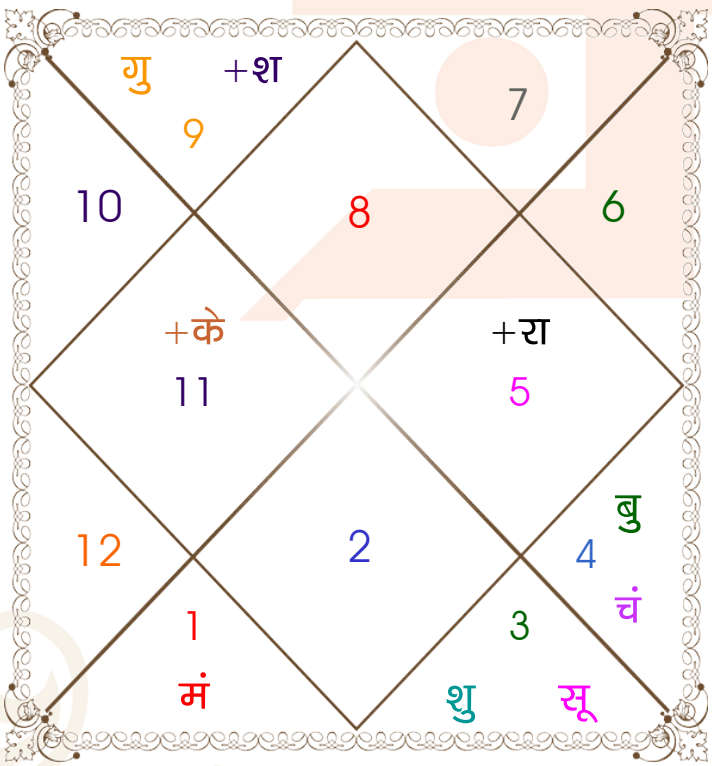

चन्द्र कुंडली

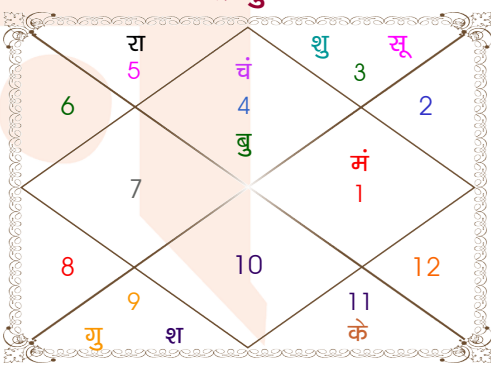

नवमांश कुंडली

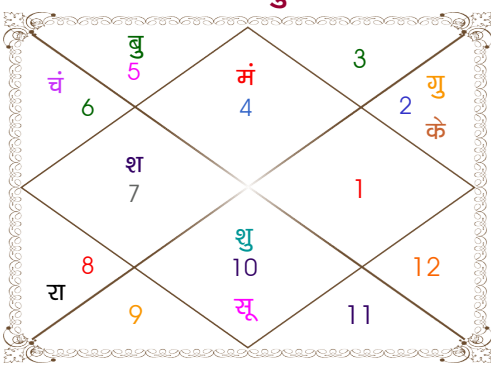

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 14 वर्ष 2 मास 12 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
26/06/1960		08/09/1974		08/09/1991		08/09/1998		08/09/2018	
08/09/1974		08/09/1991		08/09/1998		08/09/2018		08/09/2024	
	26/06/1960	बुध	04/02/1977	केतु	05/02/1992	शुक्र	08/01/2002	सूर्य	27/12/2018
बुध	21/05/1961	केतु	01/02/1978	शुक्र	06/04/1993	सूर्य	08/01/2003	चंद्र	27/06/2019
केतु	30/06/1962	शुक्र	02/12/1980	सूर्य	12/08/1993	चंद्र	08/09/2004	मंगल	02/11/2019
शुक्र	30/08/1965	सूर्य	08/10/1981	चंद्र	13/03/1994	मंगल	08/11/2005	राहु	26/09/2020
सूर्य	12/08/1966	चंद्र	10/03/1983	मंगल	09/08/1994	राहु	08/11/2008	गुरु	15/07/2021
चंद्र	12/03/1968	मंगल	06/03/1984	राहु	27/08/1995	गुरु	10/07/2011	शनि	27/06/2022
मंगल	21/04/1969	राहु	23/09/1986	गुरु	02/08/1996	शनि	08/09/2014	बुध	04/05/2023
राहु	26/02/1972	गुरु	29/12/1988	शनि	11/09/1997	बुध	09/07/2017	केतु	08/09/2023
गुरु	08/09/1974	शनि	08/09/1991	बुध	08/09/1998	केतु	08/09/2018	शुक्र	08/09/2024

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
08/09/2024		08/09/2034		08/09/2041		08/09/2059		08/09/2075	
08/09/2034		08/09/2041		08/09/2059		08/09/2075		00/00/0000	
चंद्र	09/07/2025	मंगल	04/02/2035	राहु	21/05/2044	गुरु	27/10/2061	शनि	11/09/2078
मंगल	07/02/2026	राहु	23/02/2036	गुरु	15/10/2046	शनि	09/05/2064	बुध	26/06/2080
राहु	09/08/2027	गुरु	29/01/2037	शनि	21/08/2049	बुध	15/08/2066		00/00/0000
गुरु	08/12/2028	शनि	10/03/2038	बुध	09/03/2052	केतु	22/07/2067		00/00/0000
शनि	09/07/2030	बुध	07/03/2039	केतु	28/03/2053	शुक्र	22/03/2070		00/00/0000
बुध	09/12/2031	केतु	03/08/2039	शुक्र	27/03/2056	सूर्य	08/01/2071		00/00/0000
केतु	09/07/2032	शुक्र	02/10/2040	सूर्य	19/02/2057	चंद्र	09/05/2072		00/00/0000
शुक्र	10/03/2034	सूर्य	07/02/2041	चंद्र	21/08/2058	मंगल	15/04/2073		00/00/0000
सूर्य	08/09/2034	चंद्र	08/09/2041	मंगल	08/09/2059	राहु	08/09/2075		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 14 वर्ष 2 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकते हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकते हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगे जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखते हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझते हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगे। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृति कर लेंगे। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगे। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करते रहे तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करते हैं उस प्रवृति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृति जैसा व्यवहार करना चाहते है। आपकी इस प्रकार की प्रवृति रही अर्थात् इस प्रवृति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपनी पत्नी के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगा। यद्यपि आप अपनी पत्नी के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगे। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगे। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करते हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन संगिनी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों की लड़की आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगी।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगे। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहते हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करते हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढ़ाँचे के होते है। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होते हैं। ये अपनी मनोवृति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटे हो जाएंगे। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति के होंगे।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगे। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री, अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकते हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।